धमाका डिस्काउंट ऑफर
Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

29 अप्रैल 2026

वर्ष - 03, अंक - 52 – मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

मंत्रि-परिषद की बैठक में विकास योजनाओं के लिये 26 हजार 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण के लिए 26 हजार 800 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। प्रदेश के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोक निर्माण विभाग की आगामी 5 वर्षों (2026-2031) की विभिन्न निर्माण व नवीनीकरण परियोजनाओं के लिए 26,311 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। सामाजिक न्याय और शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए मंत्रि-परिषद ने पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति राशि में ऐतिहासिक वृद्धि कर इसे 1,550 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये प्रतिमाह करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण सिंचाई व्यवस्था के लिए लखुंदर सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और प्रदेश की 38,901 आंगनवाड़ियों के विद्युतीकरण के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। चिकित्सा क्षेत्र में विस्तार के लिए भोपाल और रीवा के चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृतियां भी दी गईं, जो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं और अधोसंरचना को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नई ऊंचाई प्रदान करेंगी। मंत्रि-परिषद की बैठक वन्दे मातरम गान से प्रारंभ हुई।

मंत्रि-परिषद द्वारा लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत मार्गों के नवीनीकरण, कार्यालयों की स्थापना और मरम्मत, आवासों के अनुरक्षण सहित भू-अर्जन के लिए मुआवजा संबंधी विभिन्न योजनाओं की सोलहवें वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरन्तरता के लिए लगभग 26 हजार 311 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

स्वीकृति अनुसार मुख्यालय कार्यालय स्थापना, मण्डल कार्यालय स्थापना, अनुरक्षण, मरम्मत-संधारण और संभागीय कार्यालय स्थापना संबंधी योजनाओं के लिए 6,180 करोड़ 57 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है।

इसके साथ ही केन्द्रीय सड़क अधोसंरचना निधि संबंधी योजनाओं के लिए 6 हजार 925 करोड़ रूपये, एफ-टाईप से उच्च श्रेणी के शासकीय आवास एवं गैर आवासीय भवनों का अनुरक्षण का कार्य संबंधी योजना के लिए 1 हजार 680 करोड़ रूपये और भू-अर्जन के लिए मुआवजा संबंधी योजना के लिए 6 हजार 500 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए है।

इसके अलावा भारतीय सड़क कांग्रेस को अनुदान और डिक्रीधन के भुगतान के लिए 25 करोड़ 50 लाख रूपये और मुख्य जिला मार्गों, जिला मार्ग तथा अन्य जिला मार्गों के नवीनीकरण संबंधी योजना के लिए 5 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

मंत्रि-परिषद द्वारा पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिल्ली स्थित उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत मध्यप्रदेश के पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रगृह योजना-2005 में संशोधन की स्वीकृति दी है।

स्वीकृति अनुसार अब हर साल कुल 100 नए विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिलेगा, जिसमें 50 सीटें स्नातक और 50 सीटें स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के लिए तय की गई हैं। इसके साथ ही, जो विद्यार्थी पहले से इस योजना का लाभ ले रहे हैं, उन्हें उनके कोर्स की अवधि पूरी होने तक सहायता मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति के रूप में मिलने वाली 1,550 रूपये की राशि को अब बढ़ाकर सीधे 10 हजार रूपये प्रति माह कर दी है। योजना का लाभ लेने के लिए यह जरूरी है कि विद्यार्थी पिछड़ा वर्ग पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए पात्र हो और उसके अभिभावकों की वार्षिक आय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित की गई आय सीमा के भीतर हो।

गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग : हजारों लोगों ने पैदल मार्च किया, 11 हजार गो भक्तों के साइन किए समर्थन पत्र सौंपे

नीमच । नीमच सहित देशभर में सोमवार को देशी गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए बड़ा आंदोलन हुआ। गोभक्तों और संतों ने एकजुट होकर अपनी मांगें सरकार के सामने रखीं। इस दौरान नीमच में हजारों लोगों ने पैदल मार्च निकाला और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

गोभक्तों की सबसे बड़ी मांग है कि देशी गोवंश को राष्ट्रमाता का संवैधानिक दर्जा दिया जाए। साथ ही, केंद्र सरकार में गायों की सेवा के लिए एक अलग 'गोसेवा मंत्रालय' बनाया जाए। नीमच से 11 हजार से ज्यादा लोगों के साइन किए हुए समर्थन पत्र भी प्रशासन को दिए गए हैं, जो पिछले तीन महीनों की मेहनत का नतीजा हैं।

बिना किसी नेता या पार्टी का आंदोलन – इस आंदोलन की खास बात यह रही कि यह पूरी तरह गैर-राजनीतिक था। इसमें किसी भी राजनीतिक दल का झंडा या बैनर इस्तेमाल नहीं किया गया। संतों के मार्गदर्शन में समाज के हर वर्ग ने इसमें हिस्सा लिया और नंदी बाबा को इस अभियान का अध्यक्ष माना गया।

तस्करी और हत्या पर रोक के लिए सख्त कानून – ज्ञापन में मांग की गई है कि पूरे देश में एक जैसा कड़ा कानून बनाया जाए, ताकि गोहत्या पर पूरी तरह रोक लग सके। तस्करी को ऐसा अपराध माना जाए जिसमें जमानत न मिले। इसके अलावा हर पंचायत में नंदीशाला, हाईवे पर गायों के लिए एम्बुलेंस, और स्कूलों में गायों के महत्व के बारे में पढ़ाने (गो-विज्ञान) की मांग भी उठाई गई है।

बिना चंदे के चल रहा अभियान – यह अभियान पिछले पांच महीनों से बिना किसी बाहरी आर्थिक मदद या चंदे के चल रहा है। गोभक्तों का कहना है कि वे देशी गायों की घटती संख्या और सड़कों पर हो रहे हादसों से दुखी हैं, इसलिए अब यह एक बड़ा जनआंदोलन बन चुका है।

दुपट्टा फंसने से बाइक सवार महिला की मौत

नीमच । जिले के जीरन मार्ग पर सड़क हादसे में 30 साल की एक महिला की जान चली गई। बाइक के पहिए में दुपट्टा फंसने की वजह से यह हादसा हुआ। रविवार रात को महिला अपने 5 महीने के बीमार बेटे का इलाज कराने भाई के साथ जा रही थी। ग्राम फोफलिया की रहने वाली सीमा अपने भाई करूलाल के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर जीरन जा रही थीं। रास्ते में हरवार और फोफलिया के बीच अचानक उनका दुपट्टा बाइक के पिछले पहिए और चेन में उलझ गया। दुपट्टे के तेज खिंचाव के कारण सीमा उछलकर सड़क पर गिर गईं, जिससे उनके सिर में गहरी चोट आई।

इलाज के दौरान तोड़ा दम – हादसे के बाद सीमा को तुरंत जीरन के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें नीमच जिला अस्पताल और फिर हालत बिगड़ने पर उदयपुर रेफर कर दिया गया। लेकिन चोट इतनी गंभीर थी कि उदयपुर पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार वालों को सौंप दिया गया।

परिवार में मातम – परिजन ने बताया कि सीमा का ससुराल राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के सोनपुर गांव में है। वह कुछ दिन पहले ही अपने मायके फोफलिया आई थीं। सीमा के दो बेटे हैं, जिनमें से एक 5 साल का और दूसरा महज 5 महीने का है। जिस मासूम बच्चे का इलाज कराने वह घर से निकली थीं, उसे क्या पता था कि उसकी मां अब कभी लौटकर नहीं आएगी। इस घटना से फोफलिया और सोनपुर दोनों गांवों में दुख की लहर है।

अब आधार कार्ड नहीं होगा उम्र का प्रमाण, UIDAI ने बदले नियम

नई दिल्ली। आधार कार्ड को लेकर नया अपडेट आया है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के नए आदेश के तहत अब आधार कार्ड को जन्मतिथि (डेट ऑफ बर्थ) का प्रूफ नहीं माना जाएगा। संस्था ने एक लेटर जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी है। इसके तहत आधार कार्ड आपकी पहचान का तो सबूत होगा लेकिन इसे इससे आपकी जन्मतिथि प्रमाणित नहीं मानी जाएगी। भले ही उसमे जन्मतिथि क्यों न मौजूद हो।

आधार अब उम्र का प्रूफ नहीं – इस फैसले पर UIDAI ने कहा कि आधार का उद्देश्य अथेंटिफिकेशन के जरिये पहचान को प्रमाणित करना है न कि संबंधित व्यक्ति की डेट ऑफ बर्थ बताना। UIDAI ने यह भी कहा कि आधार कार्ड पर जन्मतिथि यूजर्स के द्वारा नॉमिनेशन या अपडेट के दौरान दी गई जानकारी के आधार पर की जाती है।

जोरदार ब्लास्ट के बाद धधका ट्रांसफार्मर, इलाके की बिजली गुल रही

नीमच । शहर के टेलीफोन एक्सचेंज के पास सोमवार रात एक बिजली ट्रांसफार्मर में जोरदार धमाका हुआ। धमाके के साथ ही ट्रांसफार्मर धधक उठा और आग की लपटें काफी ऊंचाई तक उठने लगीं। इस घटना से पूरे राजस्व कॉलोनी क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बिजली गुल हो गई।

मिश्रा होटल के पास स्थित इस ट्रांसफार्मर से अचानक 'पट-पट' की आवाजें आने लगीं, जिसके बाद धुंआ उठना शुरू हो गया। कुछ ही सेकंड में एक भीषण ब्लास्ट हुआ और ट्रांसफार्मर आग के गोले में तब्दील हो गया। चिंगारियां आतिशबाजी की तरह चारों ओर फैल गईं।

फीडर की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई – आग और धुएं को देखकर आसपास के रहवासियों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तुरंत बिजली कंपनी को इसकी सूचना दी। गनीमत रही कि आग की चपेट में कोई वाहन या राहगीर नहीं आया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हादसे के तुरंत बाद सुरक्षा कारणों से पूरे फीडर की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। सूचना मिलते ही विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने जले हुए उपकरणों को बदला और तकनीकी खराबी को दूर कर देर रात तक बिजली सप्लाई बहाल की, जिसके बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली।

पति बोला- पत्नी ने जहर खाने का नाटक कर फंसाया नीमच में ससुराल पक्ष ने एसपी से कार्रवाई की मांग की

नीमच । जिले के मनासा इलाके के पिपल्यारुडी गांव में एक पति ने अपनी ही पत्नी और ससुराल वालों पर झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया है। मंगलवार को दीपक बंजारा अपने परिवार के साथ एसपी दफ्तर पहुंचे। दीपक का कहना है कि उनकी पत्नी किरणबाई ने 25 अप्रैल को पहले सिरदर्द का बहाना बनाया और फिर अस्पताल पहुंच गईं। आरोप है कि वहां पत्नी के भाइयों ने दीपक के साथ मारपीट की। इसके बाद किरणबाई ने जहर खाने का नाटक किया और दीपक समेत उसके पूरे परिवार (मां, पिता और भाभी) के खिलाफ पुलिस में झूठी शिकायत कर दी।

मेडिकल रिपोर्ट में नहीं मिला जहर – पीड़ित परिवार का दावा है कि जिला अस्पताल की मेडिकल जांच में यह बात साफ हो गई है कि पत्नी ने कोई जहर नहीं खाया था। उनका आरोप है कि सच्चाई सामने आने के बाद भी पुलिस ने उनके खिलाफ गलत तरीके से केस दर्ज कर लिया है।

बदनाम करने और पैसे ऐंठने की धमकी – दीपक ने एसपी को बताया कि उनके ससुराल वाले उन्हें समाज में बदनाम कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर झूठी खबरें फैला रहे हैं। उनका आरोप है कि उनसे मोटी रकम मांगी जा रही है और पैसे न देने पर और भी झूठे केसों में फंसाने की धमकी दी जा रही है।

मामले की जांच की मांग – एसपी कार्यालय पहुंचे परिवार ने मांग की है कि अस्पताल की असली मेडिकल रिपोर्ट मंगवाई जाए और इस पूरी 'झूठी कहानी' की जांच की जाए। उन्होंने दोषी ससुराल वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

शहर की साहित्यिक संस्था 'कृति' के चुनाव संपन्न

ओमप्रकाश चौधरी अध्यक्ष, रघुनन्दन पाराशर सचिव व राजेश जायसवाल कोषाध्यक्ष बन

नीमच । नीमच की प्रमुख साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'कृति' के वार्षिक निर्वाचन सर्वसम्मति से संपन्न हुए, जिसमें ओमप्रकाश चौधरी को 20 साल बाद तीसरी बार अध्यक्ष चुना गया। उनके साथ रघुनंदन पाराशर को सचिव, राजेश जायसवाल को कोषाध्यक्ष, श्रीमती निर्मला उपाध्याय को उपाध्यक्ष, श्याम टांकवाल को सहसचिव, कृष्ण कुमार शर्मा को प्रचार सचिव तथा श्रीमती आशा साम्भर को महिला प्रकोष्ठ का प्रभारी निर्वाचित किया गया है। कार्यकारिणी में अक्षय पुरोहित, नीरज पोरवाल, सत्येन्द्रसिंह राठौर और विनोद शर्मा को स्थान मिला है, साथ ही संस्था के मार्गदर्शन हेतु सलाहकार मंडल और कार्यक्रम संयोजन समूह का गठन भी किया गया।

चुनाव अधिकारी कैलाश बाहेती के कुशल निर्देशन में संपन्न हुई इस प्रक्रिया से पूर्व निवर्तमान सचिव कमलेश जायसवाल ने वार्षिक प्रतिवेदन और कोषाध्यक्ष राजेश जायसवाल ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. अक्षय पुरोहित ने सभी का आभार व्यक्त किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी ने अपने संबोधन में संस्था की गतिविधियों को नया विस्तार देने और महिला प्रकोष्ठ के माध्यम से विशेष आयोजन करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन पूर्व अध्यक्ष सत्येन्द्रसिंह राठौर द्वारा किया गया।

राधादेवी रामचन्द्र मंगल फार्मेसी कॉलेज की छात्रा को जीपेट परीक्षा में मिली बड़ी सफलता

नीमच जिला अँचल के श्रेष्ठतम फॉर्मेसी कॉलेज में उच्च कोटि की सक्षम एवं दीर्घ अनुभवी फैकल्टी की शैक्षणिक सेवा-सुविधाएं सुलभ

विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व एवं योग्यता के विकास और जीपेट सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए सार्थक तैयारियों एवं समुचित मार्गदर्शन के लिए प्रभावी प्रबंध

राधादेवी रामचंद्र मंगल ग्रुप ऑफ कॉलेजेस का पांच सौ से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियों से प्लेसमेंट टाइअप होने से सम्बद्ध विद्यार्थियों को अच्छे जॉब के अधिकाधिक अवसर

कॉलेज की बी. फार्मा पाठ्यक्रम की छात्रा सुनीता सोलंकी ने राष्ट्र स्तरीय GPAT 2026 परीक्षा में 94.08 परसेंटाइल के साथ 3182वीं रैंक प्राप्त कर संस्थान के प्रभावी प्रबंधों को किया रेखांकित

नीमच। जिले के सुप्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान राधादेवी रामचन्द्र मंगल ग्रुप ऑफ कॉलेजेस, भाटखेड़ा नीमच की महत्वपूर्ण इकाई राधादेवी रामचन्द्र मंगल फार्मेसी कॉलेज की प्रतिभाशाली छात्रा सुनीता सोलंकी ने कॉलेज की गुणवत्तापूर्ण प्रबंध व्यवस्था और मार्गदर्शन में GPAT राष्ट्र स्तरीय परीक्षा उत्तीर्ण कर गौरवशाली सफलता अर्जित की है। सुनीता ने इस सफलता का श्रेय संस्थान की श्रेठतम प्रबंध व्यवस्था और सार्थक प्रोत्साहन को दिया है ।

विदित है कि, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के तत्वावधान में राष्ट्र स्तरीय ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (GPAT) परीक्षा का आयोजन होता है। वर्ष 2026 जीपेट परीक्षा में देश भर के 53 हजार 617 विद्यार्थियों ने भाग लिया था, जिनमें राधादेवी रामचंद्र मंगल कॉलेज, नीमच के फार्मेसी संकाय की छात्रा सुनीता पिता नगजीराम सोलंकी ने इंदौर सेंटर पर परीक्षा दी थी ।

हाल ही में इस परीक्षा के घोषित नतीजों के अनुसार राष्ट्र स्तरीय इस कठिन प्रतिस्पर्धा में सुनीता ने 3182वीं रैंक के साथ सफलता प्राप्त कर कॉलेज और जिले का नाम रोशन किया है। सुनीता की इस उपलब्धि पर कॉलेज कॉलेज परिवार, परिवार, शिक्षकों और साथियों में खुशी की लहर है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सुनीता ने अपनी सफलता का श्रेय कॉलेज के उच्चस्तरीय शैक्षणिक वातावरण, अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन और आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रयोगशालाओं को दिया।

उन्होंने बताया कि कॉलेज में शुरू से ही GPAT जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की विशेष तैयारी कराई जाती है, जिससे उन्हें यह मुकाम हासिल करने में मदद मिली। कॉलेज प्रबंधन ने सुनीता को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि संस्था की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित मार्गदर्शन एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का सुपरिणाम है।

विशिष्ट उपयोगी पाठ्यक्रम एवं आधुनिक प्रयोगशालाओं के प्रबंध - संस्थान के प्राचार्य के अनुसार, हमारे ग्रुप का मुख्य 1 उद्देश्य जिला स्तर पर ही क्षेत्रीय विद्यार्थियों की उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों में अध्ययन की सुविधाएं सुलभकरवाना है। संस्थान में सभी शैक्षणिक विषयगत श्रेष्ठतम फैकल्टी और अध्यापन सुविधाओं के साथ- साथ आधुनिकतम प्रयोगशालाओं के प्रबंध भी सुनिश्चित किये गए हैं।

इसी तारतम्य में, संस्थान में डी. फामा, बी. फामा, एम. फामा (फ़ार्माकोलोज़ी), एम. फार्मा (फार्मास्यूटिक्स), डीएमएलटी, बीएमएलटी, एमएमएलटी, डिप्लोमा इन एक्स रे, बैचलर इन एक्स रे, सर्टिफिकेट इन ऑपरेशन थिएटर, बी.ए. एल.एल.बी., एल.एल.बी., एम.बी.ए. बी.बी.ए, बी. सी.ए., बी. कॉम, बी.एस. सी, आई.टी.आई, बी.एड, डी.एड. जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम का अध्यापन और सम्बद्ध सुविधाएं सुलभ हैं।

सुप्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट के अधिकाधिक बेहतर अवसर श्री मंगल के अनुसार, विद्यार्थियों को उनकी योग्यता, क्षमता, प्रतिभा के अनुसार कार्य के श्रेष्ठ अवसर भी सुलभ हो हो सके इस हेतु संस्थान द्वारा योजनाबद्ध रूप से सुव्यवस्थित कार्य नीति पर अमल किया जाता है। इसके लिए हमारे ग्रुप द्वारा 500 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों से प्लेसमेंट टाइअप किया गया है, जिससे संस्थान के विद्यार्थियों को अधिक से अधिक बेहतर जॉब के अवसर मिलते रहे हैं।

विद्यार्थियों की क्षमता विकास और उच्च परीक्षाओं के लिए निःशुल्क मार्गदर्शन

राधादेवी रामचंद्र मंगल कॉलेज के संचालक श्री संजय मंगल के अनुसार, संस्थान ने हमेशा विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रेरित और तैयार किया है, जिससे आज हमारे छात्र राष्ट्रीय स्तर पर सफलता का परचम लहरा रहे हैं। संस्थान का उद्देश्य सिर्फ डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को ऐसे मंच और संसाधन भी उपलब्ध कराना है, जिससे वे अपने करियर में नई ऊंचाइयों को छू सके। सह सफलता आने वाले छात्रों के लिए एक प्रेरणा है। हमारे ग्रुप के फार्मेसी कॉलेज सहित अन्य सभी सम्बद्ध शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रमों की निर्धारित शिक्षा के साथ साथ व्यक्तित्व निखार, भविष्य के हिसाब से समय अनुसार चुनौतियों का सामना करने के लिए कौशल एवं क्षमता विकास, जीपेट जैसी उच्च स्तरीय प्रायोगिक परीक्षाओं तथा जॉब के लिए इंटरव्यू लेखन-चयन से जुड़ी सभी जरूरी प्रक्रियाओं के बारे में भी कर पूर्ण बहुआयामी जानकारियां प्रशिक्षण और तैयारी के लिए निःशुल्क विशेष प्रबंध किए गए हैं जिससे विद्यार्थी लगातार लाभान्वित हो रहे हैं।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

धधकती धरती: विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चचाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

संपादकीय

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मनःस्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

एमपी में लूडो पॉलिटिक्स ! बयानबाजी का नया खेल, बीजेपी सांसद का पीसीसी चीफ पर बड़ा तंज

भोपाल । मध्यप्रदेश की सियासत में इन दिनों 'लूडो' को लेकर वार-पलटवार का दिलचस्प दौर चल रहा है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी द्वारा सांसदों के संसद में जनता के मुद्दे न उठाने और मौन रहने को लेकर कसे गए तंज पर अब मंदसौर-नीमच क्षेत्र के भाजपा सांसद सुधीर गुप्ता ने तीखा पलटवार किया है। पटवारी के तंज का जवाब देते हुए सांसद गुप्ता ने अपनी तरफ से 'लूडो' का जिक्र छेड़ा और न सिर्फ इसके मनोवैज्ञानिक फायदे गिनाए, बल्कि उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के साथ लूडो खेलने की नसीहत भी दे डाली। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि वे लोकसभा में सर्वाधिक प्रश्न उठाकर जनता की आवाज को प्रमुखता से रखते आए हैं।

'राहुल गांधी संसद की सीढ़ियों पर कचौरी-समोसा खाते हैं' - जीतू पटवारी के इस आरोप पर कि सांसद जनता के मुद्दे उठाने के बजाय संसद में मौन रहते हैं, सांसद गुप्ता ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि जीतू पटवारी को शायद संसदीय कार्यप्रणाली और प्रोटोकॉल का पूर्ण ज्ञान नहीं है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए गुप्ता ने कहा, 'जब राहुल गांधी जैसे नेता संसद की सीढ़ियों पर बैठकर कचौरी-समोसा खा लेते हैं, जो कि संसदीय मर्यादाओं के सख्त खिलाफ है, तब कांग्रेस को कोई मर्यादा याद नहीं आती।'

सांसद ने कहा कि संसद में अपनी बात रखने के लिए प्रश्नकाल और डिबेट जैसे कई उचित मंच हैं, लेकिन विपक्ष केवल हंगामा करता है, बोलने नहीं देता और वॉकआउट कर जाता है। अपनी सक्रियता का हवाला देते हुए सांसद ने कहा कि उन्होंने अपने संसदीय कार्यकाल में लोकसभा में सर्वाधिक प्रश्न लगाए हैं और क्षेत्र के मुद्दों को मुखरता से उठाया है।

गिनाए लूडो के फायदे, शिवराज वाले 'गलत बोरी कांड' की दिलाई याद - पटवारी के मौन रहने वाले आरोप पर पलटवार करते हुए सांसद गुप्ता ने तंजिया अंदाज में लूडो खेलने के दिलचस्प फायदे गिना दिए। उन्होंने लूडो को 'ब्रेन एक्टिवेशन' का खेल बताते हुए कहा कि, इससे निर्णय क्षमता, रणनीतिक सोच और धैर्य का विकास होता है। पासे के अंकों से बेसिक गणित और एकाग्रता बढ़ती है।

इसी 'एकाग्रता' को आधार बनाकर सांसद ने पटवारी पर एक बड़ा सियासी तंज कसा। उन्होंने एक पुराने वाकये का जिक्र करते हुए कहा कि एकाग्रता के अभाव के कारण ही जब जीतू पटवारी पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के निवास पर गए थे, तो किसानों द्वारा दी गई बोरी की जगह कोई और सी गलत बोरी उठाकर ले आए थे। सांसद ने चुटकी लेते हुए कहा कि लूडो खेलने से पटवारी की एकाग्रता में जरूर सुधार आएगा।

'कमलनाथ जी के साथ लूडो खेलें, सोशल बॉन्डिंग मजबूत होगी' - अपनी बात समाप्त करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने पटवारी को कांग्रेस की अंदरूनी सियासत पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि लूडो खेलने से आपसी रिश्ते और सोशल बॉन्डिंग मजबूत होती है। गुप्ता ने कहा, 'अभी आप कमलनाथ जी के साथ खेले नहीं हो, एकाध बार कमलनाथ जी के साथ लूडो हो जाए इसमें क्या परेशानी है?'

हालांकि, जाते-जाते सांसद ने पीसीसी चीफ को यह हिदायत भी दी कि कांग्रेस पार्टी अपनी स्थिति पर ध्यान दे और वे लूडो जरूर खेलें, लेकिन इसे पैसों से खेलकर जुए में न बदलें। इस पूरे मामले ने मध्य प्रदेश के सियासी गलियारों में एक नई बहस और चर्चा को जन्म दे दिया है।

वन स्टॉप सेंटर बना संकट में सहारा- बदहवास मिली महिला पार्वती व 4 बच्चों को किया रेस्क्यू

नीमच । कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के निर्देशानुसार जिले में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) के माध्यम से परेशान व जरूरतमंद महिलाओं को लगातार तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया कि वन स्टाप सेंटर की टीम द्वारा सांवरिया सेठ मंदिर के पास , नीमच सिटी में एक महिला को बदहवास अवस्था में 4 बच्चों के साथ पाया गया।

रेस्क्यू ऑपरेशनः टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर महिला पार्वती (परिवर्तित नाम) व उसके चारों बच्चों को रेस्क्यू किया गया।

चिकित्सकीय उपचारः 108 एम्बुलेंस के माध्यम से महिला को जिला चिकित्सालय नीमच पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार प्रारंभ कर दिया गया है।

बच्चों की देखरेखः चारों बच्चों को सुरक्षित देखरेख हेतु शिशु गृह नीमच में रखा गया है।

प्राथमिक जानकारीः प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला मनासा क्षेत्र की निवासी होना पाई गई है। वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से प्रकरण में आगामी वैधानिक एवं कल्याणकारी कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने वन स्टॉप सेंटर की टीम के त्वरित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में कोई भी पीड़ित महिला या बालिका 181 महिला हेल्पलाइन या वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती है।

नीमच की 6 वर्षीय गौरी को मिला नया परिवार

केरल के एक निसंतान दंपति ने कानूनी प्रक्रिया से लिया गोद

नीमच । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मिशन वात्सल्य के तहत नीमच की एक और बालिका को परिवार का स्नेह मिला है। नीमच की बाल गृह में आश्रयरत 6 वर्षीय बालिका गौरी (परिवर्तित नाम) को विधिक प्रक्रिया पूर्ण कर केरल के सोनी दंपति (परिवर्तित नाम) को गोद दिया गया है।

प्रकरण का विवरणः कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में जिले में मिशन वात्सल्य का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नीमच सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया, किमिशन वात्सल्य के तहत यह दत्तक ग्रहण की कार्यवाही पूर्ण की गई। उन्होंने बताया, किबालिका गौरी(परिवर्तित नाम) आयु 6 वर्ष 4 दिन, वर्ष 2020 से नीमच के सुखसागर महिला मंडल में आश्रयरत थी। संस्था संचालिका ने परिवार को खोजने के भरसक प्रयास किए। एक महिला ने बालिका की माता होने का दावा किया परंतु वह बालिका के संबंध में कोई दस्तावेज या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाई।

विधिक प्रक्रियाः कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर विभाग द्वारा विगत 11 माह में की गई कार्यवाही के फलस्वरूप बालिका के संबंध में अन्य कोई जानकारी नहीं मिलने पर विधिवत विज्ञप्ति प्रकाशित करवाकर उसे 'लीगल फ्री' कर CARA पोर्टल पर दर्ज कराया गया।

नया परिवारः केरल निवासी सोनी दंपति का विवाह वर्ष 2000 में हुआ था। शादी के 20 वर्ष बाद भी संतान सुख नहीं मिलने पर उन्होंने अक्टूबर 2020 में CARA पर पंजीयन कराया था। साढ़े 5 वर्ष के इंतजार के बाद बालिका गौरी के लिए उनका नंबर आया। विहित प्रक्रिया अपनाकर दंपति ने नियमानुसार गौरी को गोद लिया है।

खुशियों का माहौलः बालिका गौरी को पाकर सोनी दंपति का परिवार पूर्ण हो गया है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बालिका एवं दंपति को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। बालिका गौरी अपने नए परिवार को पाकर अत्यंत प्रसन्न है।

फेल हुए छात्रों को पास होने का एक और मौका: 5वीं-8वीं की दोबारा परीक्षा के लिए नियम जारी, ऑनलाइन भेजे जाएंगे पेपर

भोपाल। प्रदेश में करीब 1.29 लाख विद्यार्थी पांचवीं-आठवीं की वार्षिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ऐसे विद्यार्थियों को पास होने का एक और मौका देने जा रहा है। इसके लिए पुनः परीक्षा का आयोजन एक जून से छह जून के बीच होना है।

इसके प्रश्नपत्र राज्य शिक्षा केंद्र तैयार कर केंद्रों को ऑनलाइन उपलब्ध कराएगा। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश और समय-सारिणी जारी कर दी है। तय हुआ है कि पुनः परीक्षा के तैयार प्रश्नपत्र ईमेल से परीक्षा केंद्रों तक भेजे जाएंगे।

परीक्षा केंद्रों के लिए विशेष व्यवस्था - केंद्राध्यक्ष विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार प्रश्नपत्र को डाउनलोड कर प्रिंट कराकर वितरित करेंगे। परीक्षा केंद्र उन्हीं स्थानों पर बनाए जाएंगे जहां कंप्यूटर या लैपटॉप, प्रिंटर, इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो। साथ ही बिजली व पानी की व्यवस्था भी अनिवार्य है। जिला परियोजना समन्वयक को इस पूरी प्रक्रिया का नोडल अधिकारी बनाया गया है। 15 मई तक केंद्रों का निर्धारण करना जरूरी है।

भाषा चयन के नियम - तय दिशा-निर्देशों में भाषा चयन को लेकर भी स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। यदि विद्यार्थी प्रथम भाषा के रूप में हिंदी, उर्दू या मराठी का चयन करता है, तो द्वितीय भाषा अंग्रेजी रखना अनिवार्य होगा। वहीं, यदि प्रथम भाषा अंग्रेजी चुनी जाती है, तो द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी लेना जरूरी होगा।

फेल होने पर नहीं मिलेगी प्रोन्नति - राज्य शिक्षा केंद्र ने स्पष्ट किया है कि पुनः परीक्षा में भी यदि विद्यार्थी न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें अगली कक्षा में दाखिला नहीं मिलेगा। ऐसे छात्रों को उसी कक्षा में दोबारा अध्ययन करना होगा। शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे अनुत्तीर्ण छात्रों के लिए अतिरिक्त समय देकर पढ़ाई कराएं। अभ्यास सत्र, विषयवार मार्गदर्शन और नियमित टेस्ट के माध्यम से विद्यार्थियों की तैयारी मजबूत की जाएगी, ताकि वे पुनः परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

हनुमानजी की 11 मुखी मूर्तियां करती हैं अलग-अलग मनोकामनाओं की पूर्ति

प्रत्येक व्यक्ति को हनुमानजी की भक्ति करना चाहिए। कलियुग में हनुमान ही एकमात्र जाग्रत देव हैं। उनका चारों युग में प्रताप है। उनकी भक्ति से व्यक्ति के भीतर साहस और आत्मविश?वास का संचार होता है। हनुमानजी की भक्ति हर संकट से बचाती है। भक्तों ने अपनी भक्ति के चलते हनुमानजी के अलग-अलग रूप को पूजनीय बनाया है। कहते हैं कि हनुमानजी की भिन्न-भिन्न मूर्तियों की उपासना से भिन्न-भिन्न फल की प्राप्ति होती है। वैसे हनुमाजी की और भी मुखों वाली मूर्तियां हैं लेकिन हम जानते हैं 11 मुख वाले हनुमाजी की मूर्तियों की उपासना के लाभ।

● पूर्वमुखी

पूर्व की तरफ जो मुंह है उसे 'वानर' कहा गया है। जिसकी प्रभा करोड़ों सूर्यो के तेज समान हैं। इनका पूजन करने से समस्त शत्रुओं का नाश हो जाता है। इस मुख का पूजन करने से शत्रुओं पर विजय पाई जा सकती है।

● पश्चिममुखी

पश्चिम की तरफ जो मुंह है उसे 'गरूड़' कहा गया है। यह रूप संकटमोचन माना गया है। जिस प्रकार भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ अजर-अमर हैं उसी तरह इनको भी अजर-अमर माना गया है।

● उत्तरामुखी हनुमान

उत्तर दिशा देवताओं की मानी जाती है। यही कारण है कि शुभ और मंगल की कामना उत्तरामुखी हनुमान की उपासना से पूरी होती है। उत्तर की तरफ जो मुंह है उसे 'शूकर' कहा गया है। इनकी उपासना करने से अबाध धन-दौलत, ऐश्वर्य, प्रतिष्ठा, लंबी आयु तथा निरोगी काया प्राप्त होती है।

● दक्षिणामुखी हनुमान

दक्षिण की तरफ जो मुंह है उसे 'भगवान नृसिंह' कहा गया है। यह रूप अपने उपासको को भय, चिंता और परेशानीयों से मुक्त करवाता है। दक्षिण दिशा में सभी तरह की बुरी शक्तियों के अलावा यह दिशा काल की दिशा मानी जाती है। यदि आप अपने घर में उत्तर की दीवार पर हनुमानजी का चित्र लगाएंगे तो उनका मुख दक्षिण की दिशा में होगा। दक्षिण में उनका मुख होने से वह सभी तरह की बुरी शक्तियों से हमें बचाते हैं। इसलिए दक्षिणामुखी हनुमान की साधना काल, भय, संकट और चिंता का नाश करने वाली होती है।

● ऊर्ध्वमुख

हनुमानजी का ऊर्ध्वमुख रूप 'घोड़े' के समरूप है। यह स्वरूप ब्रह्माजी की प्रार्थना पर प्रकट हुआ था। मान्यता है कि हयग्रीवदैत्य का संहार करने के लिए वे अवतरित हुए थे।

● पंचमुखी हनुमान

राम लक्ष्मण को अहिरावण से मुक्त कराने के लिए हनुमानजी ने पंचमुखी रूप धारण किया था। पांचों दीपक को एक साथ बुझाने पर अहिरावन का वध हो जाएगा इसी कारण हनुमान जी ने पंचमुखी रूप धरा। उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह मुख, पश्चिम में गरुड़ मुख, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान मुख।

● एकादशी हनुमान

श्रीहनुमानजी रुद्र यानी शिव के ही ग्यारहवें अवतार माने गए हैं। ग्यारह मुख वाले कालकारमुख नामक एक भयानक बलवान राक्षस का वध करने के लिए श्रीराम की आज्ञा से हनुमानजी ने एकादश मुख रूप ग्रहण करके चैत्र पूर्णिमा (हनमान जयंती) को शनिश्चर के दिन उस राक्षस का उसकी सेना सहित वध कर दिया था। एकादशी और पंचमुखी हनुमान जी पूजा से सभी देवी और देवताओं की उपासना के फल मिलते हैं।

● वीर हनुमान

जैसा की नाम से ही विदित है कि इस नाम से हनुमानजी की प्रतिमा की पूजा जीवन में साहस, बल, पराक्रम और आत्मविश्वास प्रदान कर सभी कार्यों की बाधाओं को दूर करती है।

● भक्त हनुमान

राम की भक्ति करते हुए आपने हनुमानी का चित्र या मूर्ति देखी होगी। इस चित्र या मूर्ति की पूजा से जीवन के लक्ष्य को पाने में आ रहीं अड़चनें दूर होती है। साथ ही यह भक्ति जरूरी एकाग्रता और लगन देने वाली होती है। इस मूर्ति या चित्र में हनुमानजी हाथ में करताल लेकर राम की भक्ति करते नजर आएंगे।

● दास हनुमान

हनुमानजी रामजी के दास हैं। सदा रामकाज करने को आतुर रहते हैं। दास हनुमान की आराधना से व्यक्ति के भीतर सेवा और समर्पण की भावना का विकास होता है। धर्म, कार्य और रिश्तों के प्रति समर्पण और सेवा होने से ही सफलता मिलती है। इस मूर्ति या चित्र में हनुमानजी प्रभु श्रीरामजी के चरणों में बैठे हुए हैं।

● सूर्यमुखी हनुमान

शास्त्रों के मुताबिक श्रीहनुमान के गुरु सूर्यदेव हैं। सूर्य पूर्व दिशा से उदय होकर जगत को प्रकाशित करता है। सूर्यमुखी हनुमान की उपासना से ज्ञान, विद्या, ख्याति, उन्नति और सम्मान मिलता है। सूर्यमुखी हनुमान को ही पूर्वमुखी हनुमान कहते हैं। कहा जाता है कि अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा सही तरीके व सम्मान से नहीं की जाए, तो इसको भूलकर भी घर के मंदिर में नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने के विशेष नियम बताए गए हैं। दरअसल, पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अधिक ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है। जो घर के सामान्य वातावरण के लिए अनुकूल नहीं होता है।

घर में क्यों नहीं रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर

हनुमान जी का पंचमुखी स्वरूप उग्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसको घर में रखने से घर का माहौल अशांत और उग्र हो सकता है। खासकर यदि पंचमुखी हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा न की जाए। पंचमुखी हनुमान जी की पूजा करना आसान नहीं होता है, इनकी पूजा के कुछ विशेष नियम होते हैं। ऐसे में सब लोग इन नियमों का सभी लोग पालन नहीं कर पाते हैं। अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा में कोई कमी होती है, तो इससे जीवन में नकारात्मकता बढ़ सकती है।

कहां रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा मंदिरों में की जाती है। जहां पर उनकी ऊर्जा का प्रबंधन सही तरीके से हो सकता है।

पंचमुखी हनुमान की मूर्ति मंदिरों में रखना सबसे अच्छा माना जाता है।जिससे कि उनकी नियम से पूजा की जा सके। कुछ व्यावसायिक स्थलों पर पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति रखने से बिजनेस में मुनाफा हो सकता है, साथ ही यह मूर्ति नकारात्मक ऊर्जा से भी रखा करती है।

पंचमुखी हनुमान को माना जाता है साहस, शक्ति और रक्षा का प्रतीक

हिंदू धर्म में पंचमुखी हनुमान को साहस, शक्ति और रक्षा का प्रतीक माना जाता है। हनुमान जी के पांच मुखों वाली मूर्ति विशेष रूप से पूजनीय होती है। हनुमान जी के पांच मुख अलग-अलग देवताओं के रूप को प्रदर्शित करते हैं। लेकिन बहुत से लोग घरों में भी पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखते हैं।हनुमान जी के पांच मुख उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह, पश्चिम में गरुड़, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख और पूर्व दिशा हनुमान जी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए विशेष स्थान

बता दें कि घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को रखने से सही दिशा और स्थान का चयन जरूर कर लें। ज्योतिष और वास्तु के मुताबिक गलत दिशा और स्थान पर हनुमान जी के इस पवित्र स्वरूप की स्थापना करने से घर में पॉजिटिव ऊर्जा की जगह वास्तु दोष पैदा हो सकता है। अक्सर लोग पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति को घर के मुख्य द्वार पर लगा देते हैं। लेकिन यह स्थान उपयुक्त नहीं माना जाता है। ऐसा करने से उनकी ऊर्जा का सही से उपयोग नहीं हो पाता है और अंजाने में मूर्ति का अपमान भी हो सकता है।

सनातन धर्म में तुलसी पूजा का महत्व

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस पौधे में देवी लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसलिए घर में तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। तुलसी की सच्चे मन से पूजा करने से व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है और धन लाभ के योग बनते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी की मंजरी से जुड़े उपाय करने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही धन से जुड़ी समस्या दूर होती है।

श्रीहरि होंगे प्रसन्न–यदि आप भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद प्रभु की पूजा करें और उनके चरणों में तुलसी की मंजरी चढ़ाएं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को विधिपूर्वक करने से श्रीहरि प्रसन्न होते हैं और साधक की सभी मनोकामना पूरी होती है।

आर्थिक तंगी होगी खत्म–अगर आप लंबे समय से आर्थिक तंगी से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो तुलसी की मंजरी और दूध से भगवान विष्णु का विधिपूर्वक अभिषेक करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी जल्द खत्म होती है और हमेशा पैसों से तिजोरी भरी रहती है।

कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

तुलसी की मंजरी को लाल रंग के कपड़े में बांधकर मां लक्ष्मी को चढ़ाएं। कुछ समय के बाद इसे पर्स या फिर तिजोरी में रखें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से तिजोरी पैसों से कभी खाली नहीं होती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

सुख-समृद्धि में होगी वृद्धि–अगर आप जीवन में दुख और संकट का सामना कर रहे हैं, तो पूजा के दौरान तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को करने से जीवन के सभी तरह के दुख संकट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

सनातन धर्म में तुलसी का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसे देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और इसकी पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। तुलसी की मंजरी का उपयोग विभिन्न ज्योतिषीय उपायों में किया जाता है, जिससे जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और धन लाभ के योग बनते हैं। इस लेख में हम तुलसी पूजा के महत्व और इसके ज्योतिषीय लाभों के बारे में विस्तार से जानेंगे।

सनातन धर्म में तुलसी का है विशेष महत्व

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसके अलावा, तुलसी को लेकर तमाम मान्यताएं भी हैं। , तुलसी के पास छिपकली का दिखना शुभ संकेत है। माना जाता है कि, यदि तुलसी के पौधे के पास छिपकली दिखाई देती तो इसका मतलब है कि धन-लाभ और समृद्धि हो सकती है।

यह घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाने वाला माना जाता है। इसके अलावा तुलसी के पौधे के पास छिपकली का दिखना घर में सकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने और अच्छे समय के आगमन का प्रतीक माना जाता है। अगर तुलसी पर छिपकली दिखाई दे और वह सुरक्षित रूप से चली जाए, तो इसे शुभ माना जाता है और यह संकेत करता है कि आपकी मनोकामनाएं पूरी होने वाली हैं। कुछ संस्कृतियों में, छिपकली को बुरी शक्तियों से सुरक्षा प्रदान करने वाला माना जाता है। इसलिए, तुलसी के पास छिपकली का दिखना घर और परिवार की सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लेकिन यदि छिपकली बार-बार तुलसी के पौधे पर आती दिखे, तो यह घर में कलह या विवाद का संकेत हो सकता है। तुलसी में मंजरी आने का मतलब है कि जीवन में आने वाले संकटों से निजात मिलेगी। इसके लिए तुलसी की मंजरी को लाल कपड़े में बांधकर अपने घर के उस स्थान पर रख दें, जहां आप अपना धन रखते हैं। ऐसा करने से आपके घर में मां लक्ष्मी का वास होगा.

घर से निकलने से पहले हथेली पर लगाएं गुलाब का इत्र

● कुछ ही हफ्ते में खत्म होंगी ये 2 परेशानियां

वास्तु शास्त्र के हिसाब से हफ्ते के सातों दिन किसी ना किसी ग्रह से जरूर जुड़े होते हैं। अगर दिन के हिसाब से हम छोटे-छोटे उपाय करने लगे तो इसका असर जिंदगी में धीरे-धीरे दिखने लगेगा। शास्त्र के हिसाब से शुक्रवार का दिन काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। वहीं इस दिन का संबंध शुक्र ग्रह से माना जाता है। शास्त्र में शुक्र को लग्जरी, प्यार और पैसा देने वाला ग्रह कहा जाता है। जिन लोगों की कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है, उनकी जिंदगी में इन चीजों को कमी कभी नहीं होगी। अगर आपकी कुंडली में ये ग्रह उतना मजबूत नहीं हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। अगर शुक्रवार के दिन एक आसान सा उपाय कर लिया जाए तो तमाम लोग इससे होने वाले फायदे का लाभ आसानी से उठा सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि ये उपाय क्या है और इससे क्या-क्या लाभ हमें मिल सकते हैं?

शुक्र ग्रह का मजबूत और कमजोर होना

शुक्रवार और शुक्र ग्रह का बेजोड़ संबंध है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र ग्रह के मजबूत और कमजोर होने से इसका असर सुख-सुविधाओं, रिश्तों और पैसों पर पड़ता है। जब शुक्र मजबूत होता है तो जिंदगी में प्यार और पैसे की कोई कमी नहीं होती है। जिनका ये ग्रह मजबूत होता है वो लोग लग्जरी लाइफ जीते हैं। वहीं इसके कमजोर होते ही रिश्तों में मनमुटाव की स्थिति बनती है और पैसों की तंगी परेशान करती है।

हथेली पर लगा लें गुलाब का इत्र

अगर आपको अपना शुक्र ग्रह मजबूत करना है तो शुक्रवार के दिन एक आसान सा उपाय कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह के उपाय के तौर पर बताया जाता है कि गुलाब का इत्र से काफी लाभ मिल सकते हैं। अगर घर से निकलने से पहले हथेली पर थोड़ा सा इत्र लगा लिया जाए तो इसे काफी शुभ माना जाता है। हालांकि इत्र को लगाने का भी नियम है।

रोज-रोज झगड़ों की वजह हो सकते हैं यह वास्तु दोष

घर में किसी न किसी बात पर अक्सर झगड़े होते रहते हैं। इसके लिए कहीं वास्तुदोष तो जिम्मेदार नहीं है। हमारे जीवन में वास्तु का विशेष महत्व होता है। वास्तु के उपाय से निजी जीवन और प्रोफेशनल लाइफ में फैली तमाम तरह की परेशानियों को दूर किया जा सकता है। यह कुछ ऐसे ही टिप्स हैं जिन्हें अपनाकर सभी तरह की परेशानियों से पीछा छुड़ाया जा सकता है।

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण का विशेष महत्व होता है। इस दिशा को बहुत ही शुभ माना जाता है। घर का ईशान भाग उठा हुआ नहीं होना चाहिए। घर के इस हिस्से में यह दोष होने से पिता-पुत्र के बीच दूरियां बढ़ती है।

घर के उत्तर पूर्व कोने में स्टोर रूम नही बनवाना चाहिए ऐसा करने से भी घर के सदस्यों के बीच लड़ाई-झगड़ा होता है।

वास्तु अनुसार उत्तर पूर्वी दिशा में रसोई घर या शौचालय होने पर घर के सदस्यों की बीच में मनमुटाव बना रहता है। इस परेशानी को दूर करने के लिए घर के उत्तर पूर्वी दिशा में रसोईघर या शौचालय नहीं होना चाहिए।

ईशान कोण पर बिजली के उपकरणों को रखने से पिता पुत्र के बीच अनबन बनी रहती है। घर के उत्तर पूर्वी दिशा में इन चीजो को नही रखना चाहिए।

वास्तु के अनुसार घर के उत्तर-पूर्व दिशा में कूड़ेदान नहीं रखना चाहिए इससे घर के सदस्यों के बीच में मनमुटाव रहता है।

इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा।

वास्तु में दिशाओं का महत्व

● आपके दैनिक जीवन ● स्वास्थ्य और धन पर दिशाओं का चमत्कारी प्रभाव

वास्तु में दिशाओं का महत्व केवल घर या सामान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर मनुष्यों पर भी पड़ता है। कोई व्यक्ति किस दिशा में सोता है, जागता है, खाता है या काम करता है, इन सबका प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है।

वास्तुशास्त्र में अलग-अलग दिशाएँ अलग-अलग ऊर्जाओं से जुड़ी होती हैं। ये दिशाएँ केवल घर की नहीं, बल्कि व्यक्ति के जीवन की दिशा भी तय करती हैं। जिस दिशा में हम रहते, काम करते, सोते या पूजा करते हैं, उसका सीधा असर हमारी सोच, स्वास्थ्य, धन और रिश्तों पर पड़ता है। दिशाओं का असर केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी होता है। सूर्य की गति, हवा का प्रवाह और चुंबकीय क्षेत्र सीधे तौर पर स्वास्थ्य और मूड को प्रभावित करते हैं।

पूर्व दिशा –पूर्व दिशा को उन्नति, अध्यात्म और ज्ञान की दिशा माना गया है। यह दिशा सूर्य की दिशा है। इस दिशा की ऊर्जा का असर बुद्धि, आत्मविश्वास, प्रतिष्ठा और करियर में उन्नति पर पड़ता है। इसलिए, इस दिशा में अध्ययन कक्ष, मुख्य द्वार, बच्चों का कमरा होना बेहद शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा में खिड़की या पूजा स्थान होने से सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति मिलती है। इस दिशा में दोष होने पर निर्णय क्षमता कमजोर और अवसर हाथ से निकलना जैसी **पश्चिम दिशा**–यह लाभ और संतुलन की दिशा मानी जाती है। इस दिशा की ऊर्जा से मेहनत का फल, धैर्य और सामाजिक मान-सम्मान मिलता है। सूर्यास्त की ऊर्जा मन को शांत करती है और दिन का संतुलन देती है। इस दिशा में भोजन कक्ष बनाने या बच्चों का कमरा बनाने की सलाह दी जाती है। पश्चिम दिशा में भोजन कक्ष या बैठक कक्ष होने से परिवारिक संबंध मजबूत होते हैं। इस दिशा में दोष होने पर काम में देरी या अपेक्षित परिणाम न मिलने जैसी समस्याएं भुगतनी पड़ती है।

उप-दिशाओं का असर

अग्नि कोण

यह दिशा ऊर्जा, स्वास्थ्य और पाचन के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इसलिए, इस दिशा में रसोई बनानी की सलाह दी जाती है। इस दिशा में दोष होने पर क्रोध या वैवाहिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

दक्षिण दिशा -

यम की दिशा होने के कारण इसे अक्सर गलत समझा जाता है, जबकि यह स्थिरता और शक्ति की दिशा है। लोगों को इस दिशा में मास्टर बेडरूम बनाने की सलाह दी जाती है।

उत्तर दिशा

उत्तर दिशा कुबेर की दिशा मानी जाती है। इसलिए, यह धन, करियर और अवसर की दिशा भी मानी जाती है। यह दिशा तिजोरी रखने, ऑफिस या वर्कस्टेशन के लिए बिलकुल सही मानी जाती है। इससे आर्थिक स्थिरता, व्यापार में वृद्धि और नए अवसर मिलते हैं। उत्तर चुंबकीय ऊर्जा का स्रोत है, जो मानसिक स्पष्टता और निर्णय क्षमता को बढ़ाती है। उत्तर दिशा में मुख्य द्वार या ऑफिस होने से आर्थिक वृद्धि और नए अवसर मिलते हैं। अगर इस दिशा में दोष हो, तो आय में रुकावट और कर्ज की स्थिति पैदा हो जाती है।

पितृदोष से लेकर कई ग्रह दोषों का निवारणकरती है गाय

गााय का वर्णन हमरे पुराणोंमें है। इसके अलावा ज्योतिष में भी गायों को महत्व दिया गया है। शिवपुराण एवं स्कन्दपुराण में कहा गया है कि गोसेवा और गोदान से यमराज का भय नहीं रहता है। इसलिए हमें गायों की सेवा करनी चाहिए। शुभ कार्यों के लिए गोधूलि वेला खास बताई गई है। मंगल कार्यों के लिए सर्वोत्तम मुहूर्त जब गाय चारा चरकर जंगल से वापस आती हैं, उस समयको गोधूलिवेला कहा जाता है। गाय को ज्योतिष में भी खास माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर गाय को रोटी खिलाएं और गाय की सेवा करें, तो कई ग्रह दोष दूर हो जाते हैं। यहां पढ़ें गाय से किन जयोतिष दोषों में लाभ होता है। अगर आप किसी शुभ कार्य के लिएजा रहे हैं, तो आपको बछड़े को दूध पिताली हुई गाय मिल जाए, तो समझ लें कि आप जिस काम के लिए जा रहे हैं, वो सफल हो जाएगा।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

आउटसोर्स कर्मचारियों को 3 माह से नहीं मिला वेतन
कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन, हड़ताल की चेतावनी

नीमच । जिला अस्पताल के आउटसोर्स कर्मचारियों ने मंगलवार को वेतन भुगतान की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन किया। एसएनसीयू, आईसीयू और पीआईसीयू जैसी महत्वपूर्ण इकाइयों में कार्यरत गार्ड, वार्ड बॉय और स्वीपर सहित इन कर्मचारियों को पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिला है।

कर्मचारियों ने तहसीलदार संजय मालवीय को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें तत्काल भुगतान की मांग की गई। उन्होंने बताया कि उन्हें तीन महीने का वेतन नहीं मिला है और लगभग 11 महीने का एरियर भी बकाया है। इस आर्थिक संकट के कारण उन्हें परिवार का भरण-पोषण करने और बच्चों की स्कूल फीस जमा करने में कठिनाई हो रही है।

सीईडी मैप (CEDMAP) कंपनी के माध्यम से कार्यरत इन कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कंपनी प्रबंधन को कई बार मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि दो महीने का बकाया वेतन और 11 माह का पुराना एरियर जल्द नहीं दिलाया गया, तो सभी कर्मचारी काम बंद कर हड़ताल पर चले जाएंगे। कर्मचारियों की हड़ताल से जिला अस्पताल की सफाई और सुरक्षा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

पति की गला काटकर हत्या करने वाली पत्नी को उम्रकैद

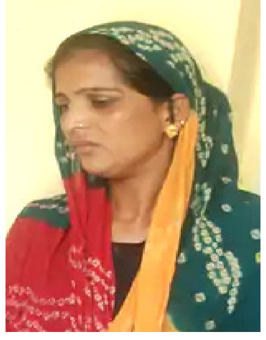

नीमच । मनासा में कोर्ट ने पति की हत्या के मामले में पत्नी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। मंगलवार को अपर सत्र न्यायाधीश आशुतोष यादव ने फैसला सुनाते हुए आरोपी महिला पर 2000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। यह पूरी घटना करीब छह साल पहले 22 सितंबर 2020 को ग्राम आमद में हुई थी। दोषी ममता बंजारा का किसी और से प्रेम प्रसंग चल रहा था और वह अपने पति तूफान बंजारा को रास्ते से हटाना चाहती थी।

वारदात के दिन जब घर के बाकी लोग मजदूरी पर गए थे और पति सो रहा था, तब ममता ने पहले हथौड़े से वार किया और फिर छुरे से गला काटकर उसकी जान ले ली।

शादी से खुश नहीं थी आरोपी - जानकारी के मुताबिक, ममता का अपने पुराने प्रेमी के साथ करीब आठ साल से चक्कर चल रहा था। वह पहले भी भाग चुकी थी, लेकिन घरवालों ने उसकी मर्जी के बिना उसकी शादी (नातरा) तूफान बंजारा से करवा दी थी। इसी बात का बदला लेने के लिए उसने यह खौफनाक कदम उठाया।

कॉल रिकॉर्ड्स और सबूतों से खुला राज - कुकड़ेश्वर पुलिस ने इस मामले की बारीकी से जांच की। पुलिस को ममता और उसके प्रेमी के बीच हुई बातचीत के कॉल रिकॉर्ड्स और कई वैज्ञानिक सबूत मिले, जिन्हें कोर्ट में पेश किया गया।

सरकारी वकील ने मजबूती से पक्ष रखा और गवाहों के आधार पर जुर्म साबित कर दिया। कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए ममता को उम्रकैद की सजा सुनाकर जेल भेज दिया है।

खेत में काम करते समय करंट लगने से बुजुर्ग किसान की दर्दनाक मौत

नीमच। नीमच सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मेलकी में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 55 वर्षीय बुजुर्ग किसान की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, हरिसिंह पिता भेरूलाल गुर्जर, निवासी मेलकी, रविवार शाम अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान वे अचानक खेत में फैले विद्युत करंट की चपेट में आ गए। करंट लगते ही वे गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़े। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने तुरंत उन्हें बचाने का प्रयास किया और गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय नीमच लेकर पहुंचे। लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया। सोमवार सुबह पुलिस की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया और उसके बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

नीमच में दो महान संतों का संगम....
श्रमण संघ युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी एवं खरतरगच्छाधिपति आचार्यजिनमणिप्रभसुरिजी का हुआ मिलन

नीमच । जैन दिवाकर श्री चौथमलजी म.सा. की जन्मभूमि एवं मालवा की पावन धरा नीमच में रविवार, 26 अप्रैल को जैन समाज के दो महान संतों के मिलन का एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला। श्रमण संघ के गौरव और ओजस्वी वक्ता युवाचार्य श्री महेन्द्रऋषि जी म.सा. तथा खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसुरिजी म.सा. का मंगल मिलन बघाना के शक्ति नगर स्थित नवनिर्मित जिनालय में हुआ। इस दिव्य मिलन के दौरान दोनों महान संतों ने अत्यंत आत्मीयता के साथ एक-दूसरे की कुशलक्षेम जानी। इस अवसर पर उनके बीच गहरी धार्मिक चर्चाएं हुईं, जिससे उपस्थित श्रावकश्राविकाएं भावविभोर हो उठे। संतों के इस मिलन को समाज में एकता और वात्सल्य के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। युवाचार्य श्री महेन्द्रऋषि जी म.सा. ने इस पावन अवसर पर निलय परिसर में उवसग्गहर स्त्रोत का सामूहिक जाप करवाया। इसके पश्चात उन्होंने मंगलपाठ के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को आशीर्वाद प्रदान किया। जाप की ध्वनियों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

परिवार पर तलवार-लाठियों से हमला, महिलाओं को पीटा
पीड़ित परिवार ने एसपी कार्यालय में की शिकायत, पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल

नीमच । जिले के जीरन थाना क्षेत्र के खेताखेड़ा डोरिया गांव में एक परिवार पर तलवार और लाठियों से जानलेवा हमला किया गया। घटना 24 अप्रैल 2026 की रात करीब 9 बजे हुई। पीड़ित परिवार ने आज मंगलवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें पुलिस की ढुलमुल कार्रवाई पर सवाल उठाए गए हैं।

आरोपियों ने तलवार-लाठियों से किया हमला - पीड़ित परिवार के अनुसार, जब वे अपने घर के बाहर सो रहे थे, तभी कचौली निवासी कुछ आरोपी एक ट्रेवलर और दो बाइकों पर सवार होकर आए। उन्होंने पीड़ित को घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए तलवार व लाठियों से हमला करना शुरू कर दिया।

हमले के दौरान जब पीड़ित की पत्नी संगीता बीच-बचाव करने आईं, तो आरोपियों ने उन पर तलवार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। अन्य परिजनों और पड़ोसियों की भी पिटाई की गई। आरोपियों ने पीड़ित के बेटे और दो बेटियों को जबरन वाहन में डालकर ले जाने का प्रयास भी किया।

पुलिस पर हल्की धाराओं में केस दर्ज करने का आरोप - हालांकि, ग्रामीणों की भीड़ जमा होने के डर से आरोपी मौके पर अपनी बाइकें छोड़कर फरार हो गए। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि जीरन पुलिस ने मामले में सभी आरोपियों के नाम दर्ज नहीं किए हैं और हल्की धाराओं में केस दर्ज कर खानापूर्ति की है। इसके चलते आरोपी खुलेआम घूमकर जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं।

पीड़ितों ने मांग की है कि फरार आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए, लूटे गए जेवर बरामद किए जाएं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई कर परिवार को न्याय दिलाया जाए।

बच्चियों के साथ छेड़छाड़ करने वाले अधेड़ को पकड़ा

नीमच। शहर के इंदिरा नगर इलाके में एक धार्मिक स्थल के गार्डन में मासूम बच्चियों के साथ छेड़छाड़ करने वाले अधेड़ को लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी पिछले कई दिनों से बच्चियों को परेशान कर रहा था, जिसे परिजन ने योजना बनाकर पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। गार्डन में खेलने जाने वाली छोटी बच्चियों ने घर पर बताया था कि एक अंकल उनके साथ गंदी हरकतें करते हैं। बच्चियों की बात सुनकर परिजन ने आरोपी को पकड़ने की योजना बनाई। रविवार को जैसे ही आरोपी कुंज बिहारी वहां पहुंचा और अश्लील हरकतें शुरू कीं, पहले से छिपे हुए परिजन और रहवासियों ने उसे घेर लिया। वीडियो में बच्चियों ने सुनाई आपबीती इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें डरी हुई बच्चियां आरोपी के सामने ही उसकी करतूतें बता रही हैं। भीड़ के सामने घिरने पर आरोपी ने भी अपनी गलती मान ली। मौके पर पहुंची नीमच सिटी पुलिस उसे थाने ले गई। परिजन का कहना है कि वे बच्चियों की सुरक्षा को लेकर डरे हुए थे, इसलिए सतर्क होकर इसे पकड़ना जरूरी था। बच्चियों के परिजन रात को थाने पहुंचे। बच्चियों के परिजन रात को थाने पहुंचे। पुलिस ने दर्ज किया पॉक्सो एक्ट सब इंस्पेक्टर असलम पठान ने बताया कि आरोपी कुंज बिहारी के खिलाफ सोमवार को पॉक्सो एक्ट और छेड़छाड़ की गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्कः 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।